डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी बाल साहित्य पुरस्कार 2022 अर्पण समारोह सम्पन्न
21 भारतीय भाषाओं के बाल साहित्यकार हुए पुरस्कृत
बाल साहित्य को फायदे के तराजू पर तोलना बेमानी – प्रकाश मनु

नई दिल्ली। 14 नवंबर 2022; साहित्य अकादेमी बाल पुरस्कार 2022 का अर्पण समारोह आज सायं 5.00 बजे त्रिवेणी कला संगम, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली में भव्य रूप में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात हिंदी लेखक और बाल साहित्यकार प्रकाश मनु ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य और कला में फायदे की बात सोचना बेमानी है। फायदे के लिए अगर दुनिया बनाई जाएगी तो वह बेहद बेरंग होगी। अगर बाल साहित्य की संवेदना से हमारा बचपन तैयार होगा तो आगे चलकर देश के लिए सहृदय डॉक्टर, ईमानदार इंजीनियर और सच्चे और स्वाभिमानी नागरिक मिलेंगे। उन्होंने अच्छे बाल साहित्यकार के लिए हमेशा अपने बचपन को बचाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि जिस दिन बाल साहित्यकार का हाथ उसके बचपन से छूट जाता है, उसका लेखन बाल संवेदनाओं से दूर हो जाता है। उन्होंने बाल साहित्य की गरिमा और पहचान को बढ़ाने के लिए साहित्य अकादेमी के उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना भी की। इससे पहले अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने कहा कि बच्चे ऊर्जा, उत्साह और जिज्ञासाओं से भरे होते हैं। वे हमारे परिवेश के ऐसे बीज हैं, जो आगे चलकर विशाल वृक्ष का रूप लेते हैं। अतः उनके बचपन की उचित देखभाल अत्यंत आवश्यक है। बाल साहित्य लिखना बहुत मुश्किल है। अतः इसको प्रश्रय देना आवश्यक है। समापन वक्तव्य देते हुए साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि जैसे हमारा देश अनेकता में एकता की मिसाल है, वैसे ही हमारा बाल साहित्य भी भारतीय एकता की सुंदर मिसाल है और वह संपूर्ण रूप से भारतीय है। समारोह के आरंभ में स्वागत वक्तव्य देते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने बाल साहित्य की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि साहित्य अकादेमी 24 भारतीय भाषाओं की बाल साहित्य की अनेक महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर रही है। दिल्ली में 11–18 नवंबर 2022 तक लगाए गए 'पुस्तकायन' मेले की थीम भी इस बार बाल साहित्य ही रखी गई है।

बाल साहित्य पुरस्कार 2022 अर्पण समारोह में जिन 21 भारतीय भाषाओं के साहित्यकार शामिल हुए उनके नाम हैं – दिगंत ओज़ा (असमिया), जया मित्र (बाङ्ला), देवबार रामसियारी (बोडो) राजेश्वर सिंह 'राजू' (डोगरी), किरीट गोस्वामी (गुजराती), क्षमा शर्मा (हिंदी), तम्मण्ण बीगार (कन्नड), हमीदुल्लाह वानी (कश्मीरी), ज्योति कुंकळकार (कोंकणी), वीरेन्द्र झा (मैथिली), नाओरेम लोकेश्वर सिंह (मणिपुरी), संगीता राजीव बर्वे (मराठी), मीना सुब्बा (नेपाली), नरेंद्र प्रसाद दास (ओडिआ), विश्वामित्र दाधीच (राजस्थानी), कुलदीप शर्मा (संस्कृत), गणेश मरांडी (संताली), मनोहर निहलानी (सिंधी), जि. मीनाक्षी (तमिऴ), पत्तिपाका मोहन (तेलुगु) एवं ज़फ़र कमाली (उर्दू)। मलयाळम् एवं अंग्रेज़ी भाषा के लिए बाल साहित्य पुरस्कार विजेता किन्हीं कारणों से पुरस्कार लेने नहीं आ पाए। ज्ञात हो कि पंजाबी भाषा के लिए इस बार पुरस्कार घोषित नहीं किया गया। पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप एक ताम्र फलक, शॉल एवं रुपए पचास हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। कल सभी पुरस्कृत रचनाकार साहित्य अकादेमी परिसर में लेखक सम्मिलन के अंतर्गत अपनी–अपनी रचना–प्रक्रिया पर बातचीत करेंगे।

के. श्रीनिवासराव